यीशु मसीह के पुनरुत्थान का प्रमाण

फ्रैंकलीन द्वारा

मत्ती 28:1-6 सब्त के दिन के बाद सप्ताह के पहले दिन पौ फटते ही मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम कब्र को देखने आई। [2]और देखो एक बड़ा **भूडोल** हुआ, क्योंकि प्रभु का एक **दूत** स्वर्ग से उतरा, और पास आकर उसने **पत्थर को लुढ़का** दिया, और उस पर बैठ गया। [3]उसका रूप बिजली का सा और उसका वस्त्र हिम के समान श्वेत था। [4]उसके भय से पहरेदार कांप उठे, और मृतक समान हो गए। [5] स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, कि तुम मत डरो : मैं जानता हूँ कि **तुम यीशु** को जो क्रूस पर चढ़ाया गया था **ढूंढ़ती हो**। [6] **वह यहाँ नहीं है**, **परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है**; आओ, यह स्थान देखो, जहाँ प्रभु पड़ा था।

इन दो स्त्रियों के लिए... यीशु को देखने की तीव्र इच्छा उनके भय से बढ़कर थी।

यदि आप यीशु को ढूँढ़ रहे हैं, यदि आप उसको "देखना" चाहते हैं :

पहले:

- **आकर** उस खाली कब्र को **देखें** और **पुनरुत्थान पर विश्वास करें।**
- और वह अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।इब्रानियों11:6

दसरा: पद 7 : **और शीघ्र जाकर** उसके चेलों से कहो, कि **वह मृतकों में से जी उठा है** ...
देखो और फिर जा कर बताओ= वह चाहता है कि सब यह बात जानें

... और देखो वह तुम से पहिले गलील को जाता है, **वहाँ उसका दर्शन पाओगे**

आज्ञाकारिता महानतम प्रकाशन से बढ़कर है!

<u>परिणाम: पद 8-9:</u>

और **वे भय और बड़े आनन्द के साथ** कब्र से **शीघ्र लौटकर** उसके चेलों को समाचार देने के लिये दौड़ गई। [9]और देखो, यीशु उन्हें मिला और कहा; `खुश रहो" और उन्होंने पास आकर और उसके पाँव पकड़कर उसको दंडवत किया।

उनकी इच्छा, उनकी भूख, उनकी खोज, उनकी प्रार्थना का उत्तर मिला

यीशु क्या कहता है? पद 10 : तब **यीशु ने उन से कहा, मत डरो;** मेरे भाइयों से जाकर कहो, कि गलील को चलें जाएं **वहाँ मुझे देखेंगे।।**

पुनरुत्थान= पुनर्जीवित प्रभु यीशु = सब प्रकार के डर निकालता है।

खाली कब्र, इससे हमारा भय भी दूर हो

दो टन का भारी बोझ ... हट गया !

इब्रानियों 2:14-15 इसलिये जब कि लड़के मांस और लहू के भागी हैं, तो वह आप भी उन के समान उन का सहभागी हो गया; ताकि मृत्यु के **द्वारा** उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी, अर्थात् **शैतान को निकम्मा कर दे**। और जितने **मृत्यु के भय** के मारे जीवन भर दासत्व में फंसे थे, **उन्हें छुड़ा ले।**

भजन संहिता 23:4 चाहे मैं घोर अंधकार से भरी हुई तराई में होकर चलूं, **तौभी हानि से न डरूंगा**, क्योंकि तू मेरे साथ रहता है; तेरे सोटे और तेरी लाठी से मुझे शांति मिलती है।।

भजन संहिता 27:1 यहोवा परमेश्वर मेरी ज्योति और मेरा उद्धार है; मैं किस से **डरूं**? यहोवा मेरे जीवन का दृढ़ गढ़ ठहरा है, मैं किस का **भय खाऊं?**

यशायाह 43:1 हे इस्राएल तेरा रचनेवाला और हे याकूब तेरा सृजनहार यहोवा अब यों कहता है, **मत डर,** क्योंकि मैं ने तुझे छुड़ा लिया है; मैं ने तुझे नाम लेकर बुलाया है, तू मेरा ही है।

प्रेरितों के काम 18:8-11और प्रभु ने रात को दर्शन के द्वारा पौलुस से कहा, "**मत डर, वरन कहे जा, और चुप मत रह।** क्योंकि मैं तेरे साथ हूं: और कोई तुझ पर चढ़ाई करके तेरी हानि न करेगा; क्योंकि इस नगर में मेरे बहुत से लोग हैं।

पद 11-15

वे जा ही रही थी, कि देखो, पहरेदारों में से कितनों ने नगर में आकर पूरा हाल मुख्य याजकों से कह सुनाया। [12]तब उन्होंने पुरनियों के साथ इकट्ठे होकर सम्मति की, और सिपाहियों को **बहुत चांदी देकर कहा।** [13]कि **यह कहना**, कि रात को जब हम सो रहे थे, तो उसके चेले आकर उसे चुरा ले गए।[14]और यदि यह बात हाकिम के कान तक पहुंचेगी, तो हम उसे समझा लेंगे और तुम्हें जोखिम से बचा लेंगे। [15]सो उन्होंने रुपए लेकर जैसा सिखाए गए थे, वैसा ही किया; और यह बात आज तक यहूदियों में प्रचलित है।।

- पहरेदारों को यह कहने के लिए **पैसा दिया गया** कि चेले आकर देह को चुरा कर ले गए।
- पिलातुस ने **कब्र की चौकसी सिपाहियों** को भेजकर उसे तीन दिन के लिए मुहर बंद कर दिया था ताकि देह वहां से ले जायी न जा सके। मत्ती 27:62-66

पहला:

यीशु की देह चुराने के लिए उसके किसी भी शिष्य को न तो पकड़ा गया और न ही कोई मुकदमा चला। यह स्पष्ट था कि सरकारी अधिकारियों ने पहरेदारों की कहानी पर विश्वास नहीं किया, इसलिए उन्होंने किसी को गिरफ़्तार नहीं किया।

दूसरा:

शिष्यों में हिम्मत की कमी थी। अगर उन्होंने देह चुराई होती, तो आप इस सच्चाई के बारे में क्या कहेंगे कि उन सब ने सताव को सहा और अधिकतर ने शहीदी मृत्यु प्राप्त की। उन में से कोई भी मृत्यु की स्थिति में "चुराई हुई देह" का स्थान बता कर अपनी जान बचा सकता था।

तीसरा:

अगर **शत्रुओं ने यीशु की देह वहां से हटाई होती,** तो वे उसे सामने ला देते और मसीहयत का तुरंत अंत हो जाता।

चौथा :

खाली कब्र में मिले **दफ़न के कपड़े** पुनरुत्थान का प्रमाण है (यूहन्ना 20:1-10)। अगर किसी मित्र या शत्रु ने देह चुराई होती, तो उन्होंने कफ़न हटाया न होता, क्योंकि उसे मरे तीन दिन और रात हो चुकी थी। जब यूहन्ना ने कफ़न को देखा तो समझ गया कि वे उसी प्रकार से पड़ा है जैसे देह पर लिपटा हुआ था, वह जान गया कि चमत्कार हुआ है। यीशु कफन से बाहर आ गया और वह कपड़ा जैसा लिपटा हुआ था वैसा ही पड़ा था। वे उस खाली कब्र में "पक्केसबूत" के समान पड़े थे,और जब यूहन्ना ने उसे देखा और समझा, तो उसने विश्वास किया कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है।

पाँच:

चश्मदीद गवाह पाँच हज़ार से अधिक 1 कुरिन्थियों 15:6

जब उन्होंने यीशु को देखा तो उसने उनसे क्या कहा?

पद: 16 - 20

और ग्यारह चेले गलील में उस पहाड़ पर गए, जिसे यीशु ने उन्हें बताया था। [17]और **उन्होंने उसके दर्शन पाकर** उसे प्रणाम किया, पर किसी-किसी को सन्देह हुआ।[18] यीशु ने उन के पास आकर कहा,"स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। [19]इसलिये तुम **जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।** [20] और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, **मानना सिखाओ**: और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं"।।

जाओ और बताओ... ताकि दूसरे भी उसे देख सकें ! यीशु को देखें !

छठा:

पुनरुत्थान के बाद **शिष्यों के बदले जीवन**, भय से असीमित साहस तक।

- वे सताव में आनंदित हुए (प्रेरितों के काम 5:40-42)।
- उन्होंने उस सच्चाई से, जिसे वे जानते थे, इनकार करने की बजाय पुनरुत्थान प्राप्त यीशु में अपना विश्वास और मृत्यु को चुना। दस प्रेरितों ने भयानक और क्रूर मृत्यु का सामना किया।

प्रेरितों के काम 1:3 और उस ने दु:ख उठाने के बाद बहुत से **पक्के प्रमाणों** से अपने आप को उन्हें **जीवित** दिखाया

- आरम्भिक मसीही सब जगह पुनरुत्थान का प्रचार करते हुए गए। (प्रेरितों के काम 8)

पतरस प्रेरितों के काम 2:14, 22-24, 36

विश्व के सभी धर्मों में केवल मसीहयत ही अपने संस्थापक की खाली कब्र होने का दावा करता है।

मूल लेखों में बुद्ध के पुनरुत्थान का कोई दावा नहीं किया गया। मुहम्मद 8 जून, 632 ई. के दिन इकसठ वर्ष की आयु में मदीना में मारा, और उसकी कब्र पर हर वर्ष हज़ारों मुस्लिम लोग जाते हैं।

अब्राहम, यहूदियों का पिता, 1900 ई.पू. मरा, लेकिन उसके लिए किसी भी तरह के पुनरुत्थान का कोई दावा नहीं किया गया।

यीशु ने न केवल अपने पुनरुत्थान के बारे में पहले बता दिया, बल्किइस बात पर भी बल दिया कि मुर्दों से जी उठना, उसके मसीह होने के दावे की पुष्टि होने का "चिह्न" है।

यूहन्ना 2:18-22 इस पर यहूदियों ने उस से कहा, तू जो यह करता है तो हमें कौन सा **चिह्न** दिखाता है? [19] यीशु ने उन को उत्तर दिया; कि इस मंदिर को ढा दो, और मैं उसे तीन दिन में खड़ा कर दूंगा।" ... [21] परन्तु उस ने **अपनी देह के** मंदिर के विषय में कहा था। [22] सो जब वह मुर्दों में से जी उठा तो **उसके चेलों को स्मरण आया**, कि उस ने यह कहा था; और उन्होंने **पवित्र शास्त्र और उस वचन** की जो यीशु ने कहा था, प्रतीति की।।

मत्ती 16:21 उस समय से यीशु अपने चेलों को बताने लगा, कि मुझे अवश्य है, कि यरूशलेम को जाऊं, और पुरनियों और मुख्ययाजकों और शास्त्रियों के हाथ से बहुत दुख उठाऊं; और **मार डाला जाऊं;** और **तीसरे दिन जी उठूं।**

यूहन्ना 14:19 और थोड़ी देर रह गई है कि संसार मुझे न देखेगा, परन्तु **तुम मुझे देखोगे**, इसलिये **कि मैं जीवित हूं, तुम भी जीवित रहोगे।**

यीशु मसीह को **छोडकर किसी भी धर्म के संस्थापक या लोगों के नेता ने**, कभी भी यह कहने का साहस नहीं किया कि **वह अपनी मृत्यु के बाद मरे हुओं में से जी उठेगा।** क्योंकि यदि वो जी न उठे, तो यह उसके पंथ का अंत होगा। यीशु मसीह ने निर्भीकता से यह भविष्यवाणी की और तीसरे दिन वही हुआ और मसीहयत का जन्म कभी न समाप्त होने के लिए हुआ क्योंकि हम पुनरुत्थित उद्धारकर्ता की सेवा करते हैं।

सारांश:

और यीशु मसीह पवित्रता की आत्मा के भाव से मरे हुओं में से **जी उठने के** कारण सामर्थ्य के साथ **परमेश्वर का पुत्र ठहरा है**। रोमियों 1:4

यहाँ लेखा है :

कन्फ़्यूशियस की कब्र	-	भरी है
बद्ध की कब्र	-	भरी है
मुहम्मद की कब्र	-	भरी है
यीशु मसीह की कब्र	-	खाली है!

अब निर्णय आपको लेना है। प्रमाण स्वयं बोलते हैं।

यह बहुत स्पष्ट है : मसीह सचमुच जी उठा है! लूका 24:34

रोमियों10:9-10 यदि **तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे** और अपने **मन से विश्वास** करे, कि परमेश्वर ने उसे **मरे हुओं में से जिलाया**, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। [10]क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये **मुंह से अंगीकार** किया जाता है।[11]क्योंकि पवित्र शास्त्र यह कहता है *कि जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह लज्जित न होगा।*

उद्धार : आपके पापों की क्षमा और अनंत जीवन निर्भर होता है :

विश्वास और अंगीकार पर

1. **विश्वास** -आप सचमुच अपने हृदय से यह विश्वास करते हैं (अपने दिमाग से नहीं) कि यीशु मृतकों में से जी उठा है।

   और

2. **अंगीकार** - आप प्रसन्नता पूर्वक दूसरे लोगों को बताने के लिए तैयार हैं कि "यीशु ही प्रभु है"।

तुम्हारा उद्धार होगा - तुम्हारे पाप क्षमा होंगे - और तुम अनंत जीवन का लाभ उठाओगे

यूहन्ना 11:25-26 यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूं, जो कोई **मुझ पर विश्वास** करता है वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा और जो कोई जीवित है, और **मुझ पर विश्वास करता है, वह अनंतकाल तक न मरेगा**, क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?

यीशु मसीह सचमुच जी उठा है ! लूका 24:34

कुलुस्सियों 1:18 और **वही** देह, अर्थात् कलीसिया का **सिर है**; वही **आदि** है और **मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा** कि सब बातों में वही **प्रधान** ठहरे।

पुनरुत्थान के द्वारा, वह हमारे लिए जीवन का **आरम्भ** है, और **मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा** के सामान, कोई भी दूसरा और तीसरा आदि जन्मा नहीं है; हम अपराधों के कारण मरे हुए थे (इफि. 2:5) परन्तु इसलिए कि वह "पहलौठा" है, अत : हमारा भी मृतकों में **से नया जन्म हो सकता है !!!**

हल्लेलुयाह जय ने मृत्यु को निगल लिया (1कुरि. 15:54-57)